

फुफकार पुं. (अनु.) फू-फू शब्द, फूत्कार, फुंकार, साँप के मुँह से हवा निकालने की आवाज।

फुफकारना अ.क्रि. (तत्.) गुस्से में साँप के मुँह से जोरसे निकली आवाज, फुँफकार करना, फुफकार मारना, फुंकारना।

फुफेरा वि. (देश.) फूफा या बुआ/फूफी के नाते से (भाई आदि)।

फुफुस पुं. (तत्.) फुफुस, फेफड़ा।

फुरकत स्त्री. (अर.) वियोग, जुदाई वि. (तद्.) सत्य, यथार्थ, सच्चा अ.क्रि. (तद्.) स्फुरित होना, फड़कना, फड़काना।

फुरती स्त्री. (तद्.) तेजी, चुस्ती, जल्दी-जल्दी, शीघ्रता।

फुरफुराना अ.क्रि. (अनु.) इस तरह उड़ना कि परों में या डैनों से 'फुर-फुर' की आवाज हो, लहराना, फहराना, फड़फड़ाना।

फुरफुरी स्त्री. (अनु.) उड़ने के लिए पंख फैलाना, फुरहरी, शरीर के सिहरने की क्रिया, कँपकँपी।

फुरसत स्त्री. (अर.) 1. फुर्सत, अवकाश, खाली वक्त 2. अवसर 3. छुट्टी 4. इतमीनान 5. रोग से मुक्ति या कमी अथवा आराम, निवृत्ति।

फुरहरी स्त्री. (तत्.) परों की फड़फड़ाहट, फड़कना, कंप/भय आदि के कारण उत्पन्न रोमांच सहित कँपकँपी थरथराहट।

फुरेरी स्त्री. (देश.) 1. सीक या तिनके के सिर पर लपेटी हुई रुई जिस पर इत्र आदि लगाया जाए 2. कँपकँपी, कंपयुक्त रोमांच 3. फड़कने का भाव, फुरहरी।

फुरेरू स्त्री. (देश.) उत्साह, जोश, साहस, हिम्मत।

फुलका पुं. (देश.) 1. फूल की तरह हल्का, बहुत हल्का 2. हल्की और फूली हुई पतली रोटी, चपाती 3. फफोला, छाला।

फुलकारी स्त्री. (देश.) कपड़े या फूल-पत्ती या बेल-बूटे आदि बनाने का काम, फूलों की सजावट, फूलों से किया हुआ शृंगार।

फुलझड़ी स्त्री. (देश.) 1. फुलझरी, एक प्रकार की आतिशबाजी जो पतली डंडी की तरह होती है

और जलाने पर जिससे फूलों की तरह चिंगारिया निकलती है 2. झगड़ा लगाने वाली बात।

फुलवारी स्त्री. (तद्.) 1. पुष्पवाटिका, ऐसा बगीचा जिसमें केवल फूलों के पौधे हो 2. कागज आदि के बने नकली फूल-पौधों का समूह।

फुल सूँघनी स्त्री. (देश.) फूल सुंथी, फुल चूही नामक चिड़िया।

फुलस्केप वि. (अं.) 17 इंच 12 इंच का कागज।

फुलाना स.क्रि. (देश.) 1. वृक्षों एवं पौधों को फूलों से युक्त करना 2. किसी वस्तु में जैसे गुब्बारे आदि में हवा भरना ताकि वह फूल जाए, किसी को आनंदित करना 3. प्रशंसा करके अभिमान/ गर्व उत्पन्न करना 4. रुठना उदा. मुँह फुलाना।

फुलिंग पुं. (तद्.) स्फुलिंग, चिनगारी।

फुलेल पुं. (देश.) फूलों से निकाला हुआ खुशबूदार तेल, सुगंधित तेल, एक छत्तेदार घास जिसके पत्ते गोल और फूल सफेद होते हैं।

फुलौरी स्त्री. (देश.) बेसन की पकौड़ी, पिसी हुई दाल की पकौड़ी।

फुल्ला पुं. (देश.) 1. सेंकने से या भूनने से फूला हुआ अनाज, खील वि. 1. फूल के समान कोमल/ हल्का, किसी आभूषण, पत्र आदि में फूल, चिह्न या प्रतीकों का उभार 2. उभरा ठप्पा।

फुल्ली स्त्री. (देश.) नाक में पहनने का कोई गहना।

फुस स्त्री. (अनु.) मुँह से निकली बहुत धीमी, अस्फुट आवाज।

फुसफुसा वि. (देश.) 1. जल्दी टूट जाने वाला, कमजोर, दबाने पर सरलता से चूर-चूर हो जाने वाला 2. कोमल, मंदा, मद्धिम, नरम 3. मोटा या बड़ा परंतु शक्तिहीनता।

फुसलाना स.क्रि. (देश.) मीठी बातों से बहलाना, लालच देकर भुलावा देना अथवा संतुष्ट या अनुकूल बहकाना, रुठ गए व्यक्ति को मनाना, बूँदे या छींटे ऊपर से गिराना।

फुहार स्त्री. (तद्.) नन्ही-नन्ही झींसी, जल कण, फुआर, हल्की वर्षा।

फूँ स्त्री. (अनु.) सर्प के फुंकारने की ध्वनि।